

गेल भवन,
16 भीकाएजी कामा प्लेस
नई दिल्ली-110066, भारत
GAIL BHAWAN,
16 BHIKAIJI CAMA PLACE
NEW DELHI-110066, INDIA
फोन/PHONE:+9111 26182955
फैक्स/FAX:+9111 26185941
ई—मेल/E-mail:info@gail.co.in

एनडी/गेल/सेक्ट/2021

22.03.2021

1. लिस्टिंग अनुपालन
नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया
लिमिटेड'
एक्सचेंज प्लाजा, 5वीं मंजिल,
प्लॉट सं. सी/1, जी ब्लॉक,
बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व)
मुंबई-400 051
स्क्रिप कोड: गेल-ईक्य

 लिस्टिंग अनुपालन बीएसई लिमिटेड फ्लोर 1, फिरोज़ जीजीऑय टॉवर्स, दलाल स्ट्रीट, मुंबई-400001

स्क्रिप कोड: 532155

विषय: पोस्ट बाए-बैक सार्वजनिक घोषणा के संबंध में समाचार पत्र प्रकाशन

प्रिय महोदय/ महोदया,

यह सेबी (सूचीकरण बाध्यताएं एवं प्रकटन अपेक्षाएं) विनियमन, 2015 के विनियम 47 के अनुपालन में है ।

उपर्युक्त विषय के संदर्भ में कृपया अनुलग्नक प्राप्त करें।

उपर्युक्त आपकी जानकारी एवं रिकॉर्ड हेत् है।

धन्यवाद,

भवदीय,

(ए के झा)

अपिक क्ये

५३ कंपनी सचिव

संलग्नकः उपरोक्तानुसार

पूंजीगत खर्च वाली फर्मों पर दांव

निपटी इन्फ्रा इंडेक्स 2021 में इस साल अब तक 12.3 प्रतिशत तक चढ़ा है

नई दिल्ली, 19 मार्च

· श्लेषकों का मानना है कि सरकार-समर्थित इन्फ्रास्टक्चर की मदद से भारत पूंजीगत खर्च वृद्धि की राह पर है और वे मौजदा बाजार परिवेश में खपत दांव के मुकाबले पूंजीगत खर्च संबंधित दांव को पसंद कर रहे हैं। उनका कहना है कि निजी पंजीगत खर्च से वित्त वर्ष 2024 के बाद भी वृद्धि की रफ्तार को मदद मिलेगी। विश्लेषकों का मानना है कि इसके अलावा, सरकार के स्वामित्व वाला विकास वित्त संस्थान (डीएफआई) स्थापित करने के निर्णय से इस संबंध में राहत मिली है कि पूंजीगत संबंधित दांव की संभावना मजबूत होगी। डीएफआई से भविष्य में इन्फ्रा परियोजनाओं के दीर्घावधि वित्त पोषण के लिए बाजारों से करीब 3 लाख करोड़ रुपये की पूंजी में मदद मिल सकेगी।

बोफा सिक्योरिटीज में इंडिया इक्विटी रणनीतिकार अमीष शाह ने एक ताजा रिपोर्ट में लिखा है, 'हम भारत को पूंजीगत खर्च चक्र वृद्धि की राह पर देख रहे हैं जैसा कि वित्त वर्ष 2003-12 में देखने को मिला था। हमारे विश्लेषणों से संकेत मिलता है कि वित्त वर्ष 2022-23 में संयुक्त रूप से 356 अरब डॉलर की परियोजनाएं दी जा सकेंगी, क्योंकि इन्हें सरकार वित्त पोषित इन्फ्रास्ट्रक्चर (277 अरब डॉलर), निजी क्षेत्र द्वारा वित्त पोषित इन्फ्रा (51 अरब डॉलर), रियल एस्टेट (21 अरब डॉलर) और उद्योग (8 अरब डॉलर) से मदद मिलेगी। खपत शेयरों के लिए मुल्यांकन अब दबावपूर्ण दिख रहा

समी मोडक

मुंबई, 19 मार्च

ऑनलाइन गेमिंग व एजुकेशन

कंपनी नजारा टेक्नोलॉजिंज के

आरंभिक सार्वजनिक निर्गम को

कुल 175 गुना आवेदन मिले और इस तरह से कंपनी साल 2021 में

आईपीओ आवेदन के मामले में

दुसरी सबसे बडी कंपनी बन गई।

इस आईपीओ को एचएनआई श्रेणी

में 55,000 करोड़ रुपये से ज्यादा

की बोली मिली और इस श्रेणी में

करीब 390 गना आवेदन मिले।

दूसरे शब्दों में 390 करोड़ रुपये की

बोली लगाने वाले एचएनआई

को 1 करोड रुपये के शेयर

की श्रेणी में क्रमशः 75 गुना व 104

गुना आवेदन मिले। नजारा टेक के

आईपीओ में 583 करोड़ रुपये के

शेयरों की द्वितीयक बिक्री हो रही

है। आईपीओ का कीमत दायरा

1,100-1,101 रुपये प्रति शेयर है।

कीमत दायरे के ऊपरी स्तर पर

कंपनी का मूल्यांकन 1,769 करोड़

आईपीओ को कामयाबी इसलिए

मिली क्योंकि उसने मोबाइल गेमिंग

बाजार के विशेषज्ञों ने कहा कि

खुदरा व संस्थागत निवेशकों

आवंटित होंगे।

रुपये है।

विश्लेषकों की राय



- मौजूदा बाजार परिवेश में खपत दांव के मुकाबले पूंजीगत खर्च संबंधित दांव को पसंद कर रहे हैं विश्लेषक
- निजी पूंजीगत खर्च से वित्त वर्ष 2024 के बाद भी वृद्धि की रफ्तार को मदद मिलेगी

नजारा टेक के आईपीओ को मिले 175 गुना आवेदन

आगाज पर ईजी ट्रिप 10 फीसदी

चढा, एचएनआई को झटका

है, जबकि औद्योगिक क्षेत्र अभी भी ऐतिहासिक औसत पर कारोबार कर रहे हैं।'

बोफा का मानना है कि वित्त वर्ष 2022-23 में कुल 356 अरब डॉलर के ऑर्डर प्रवाह में 69 प्रतिशत परिवहन, जल और आवास वर्टिकलों पर केंद्रित होगा। शेयरों में, बोफा सिक्योरिटीज का उत्साहजनक रुख लार्सन ऐंड टुब्रो, अदाणी पोर्ट्स, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, ऐक्सिस बैंक, इंडसइंड बैंक, एचडीएफसी, टाटा स्टील, हिंडाल्को और अंबजा पर बना हुआ है।

शेयर बाजार में निवेशकों ने पिछले कुछ महीनों में इन्फ्रा संबंधित दांव पर जोर दिया है। निफ्टी इन्फ्रास्ट्रक्चर इंडेक्स 2021 में इस साल अब तक 12.3 प्रतिशत तक चढ़ा है। एसीई इक्विटी के डेटा से

सुंदर सेतुरामन

मुंबई, 19 मार्च

ईजी ट्रिप प्लानर्स का शेयर

शुक्रवार को आईपीओ कीमत से

10 फीसदी ऊपर बंद हुआ। यह

शेयर 206.5 रुपये पर बंद हुआ,

जो आईपीओ कीमत 187 रुपये

के मकाबले महज 10.4 फीसदी

ज्यादा है। कारोबार के दौरान

एनएसई पर यह शेयर 234 रुपये

के उच्चस्तर पर पहंचा था जबकि

187 रुपये का निचला स्तर छुआ,

जहां करीब 900 करोड़ रुपये के

आवेदन को देखते हए इस शेयर

का प्रदर्शन कमजोर रहा।

ऑनलाइन ट्रैवल फर्म के 510

करोड रुपये के आईपीओ को

159 गुना बोली मिली थी।

व ई-स्पोर्ट्स फर्म में निवेश का

मौका मुहैया कराया, जो आम तौर

पर नहीं मिलता है।

आईपीओ को मिले ज्यादा

शेयरों का कारोबार हुआ।

पता चलता है कि तुलनात्मक तौर पर निफ्टी-50 सुचकांक में इस अवधि के दौरान 5.3 प्रतिशत तक की तेजी दर्ज की गई, जबकि निफ्टी कंजम्पशन सुचकांक करीब 1 प्रतिशत कमजोर हुआ।

इक्विनोमिक्स रिसर्च के संस्थापक एवं मुख्य निवेश अधिकारी जी चोकालिंगम के अनुसार, पुंजीगत खर्च चक्र में सुधार लाना सरकार के लिए चुनौतीपूर्ण कार्य होगा, क्योंकि कमजोर वृहद आर्थिक बदलावों के बीच उसकी खर्च क्षमता सीमित है।

हालांकि बोफा सिक्योरिटीज के शाह का मानना है कि फंडिंग पंजीगत खर्च योजनाएओं को लेकर समस्या नहीं होगी, क्योंकि सरकार ने वृद्धि की रफ्तार मजबूत बनाने के प्रयास में सब्सिडी कार्यक्रमों के लिए आवंटन घटाकर अपनी खर्च

बाजार के प्रतिभागियों ने

कहा कि एचएनआई को इस इश्यू

पर नुकसान हुआ। एचएनआई

श्रेणी को 70 गुना आवेदन मिले

थे। इस श्रेणी के निवेशक बैंकों

या एनबीएफसी से उधार लेकर

आईपीओ में आवेदन करते हैं।

इसने उसके ब्रेक-ईवन की

लागत बढा दी। अगर सचीबद्धता

की कीमत शानदार होतिी है तो

यह रणनीति काम करती है. जैसा

कि एमटार टेक जैसे आईपीओ

ईजी टिप के मामले में

एचएनआई के लिए ब्रेक-ईवन

लागत 280 रुपये प्रति शेयर थी।

इसके परिणामस्वरूप जिन

निवेशकों ने उधार लेकर दांव

लगाया था उन्हें हर आवंटित

शेयर पर करीब 73 रुपये का

ज्यादातर ब्रोकरेज ने इस शेयर

को खरीदने की सलाह दी थी।

आईपीओ का मुल्यांकन वित्त वर्ष

में देखने को मिला था।

मिलेगी बढत

हालांकि सरकार के नेतत्व वाले बुनियादी ढांचा खर्च की रफ्तार मजबूत बनी हुई है और विश्लेषकों को उत्पादन-संबंधित रियायत (पीएलआई) आधारित निर्माण क्षमताओं से भी भविष्य में निजी क्षेत्र के पूंजीगत खर्च को बढ़ावा मिलने की संभावना है।

उनका कहना है कि यदि पीएलआई योजना सफलतापर्वक क्रियान्वित किया जाता है तो इससे अगले तीन वर्षों के दौरान निर्माण ढांचा तैयार करने के लिए संबद्घ इकोसिस्टम से 9 अरब डॉलर से अधिक का निवेश दर्ज किया जाएगा।

आईआईएफएल के विश्लेषकों का मानना है कि जहां वितरण सुधार (वितरण सर्किलों के निजीकरण) विद्युत क्षेत्र के पुंजीगत खर्च के लिए जरूरी है, वहीं परिवहन और शहरी इन्फ्रा से इस क्षेत्र में खर्च को मजबती मिलेगी।

आईआईएफएल के रेणु बैद और नरेंद्र मालसेकर ने एक ताजा रिपोर्ट में लिखा है, 'हमें उम्मीद है कि सरकार और कॉरपोरेट भारत का पंजीगत खर्च (जीडीपी का 8-8.2 प्रतिशत) वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 12 प्रतिशत बढ़ेगा और वित्त वर्ष 2020-25 के दौरान 8 प्रतिशत की सीएजीआर वृद्धि के साथ वित्त वर्ष 2020 के 200 अरब डॉलर से बढकर वित्त वर्ष 2025 तक 300 अरब डॉलर हो जाएगा। पसंदीदा कंपनियां हैं एलऐंडटी, एबीबी इंडिया, कमिंस इंडिया और केईसी इंटरनैशनल। हम पीएसयू श्रेणी में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स को पसंद कर रहे हैं।'

20 के एंटरप्राइज वैल्यू टु सेल्स

(ईवी/सेल्स) के 12.6 गुने पर हुआ

है, जो कुछ अन्य वैश्विक गेमिंग

कंपनियों मसलन टेनसेंट होल्डिंग्स

ऐंड इलेक्ट्रॉनिक आर्ट्स के मुकाबले

ज्यादा नजर आ रहा है। हालांकि

इस स्तर से राजस्व में भारी बढत

की क्षणता को देखते हुए इस इश्य

की कीमत उचित लग रही है।

टेनसेंट होल्डिंग्स ऐंड इलेक्ट्रॉनिक

आर्ट्स का ट्रेड वित्त वर्ष 22

(अनुमानित) के ईवी/बिक्री के

5.5-6 गुने पर हो रहा है। वित्त वर्ष

20 व वित्त वर्ष 23 (ई) में नजारा

के राजस्व में 30-40 फीसदी की

बढोतरी को देखते हुए ईवी/सेल्स

का मल्यांकन सहज दिख रहा है।

रिलायंस सिक्योरिटीज के नोट में

फाइनैंस बैंक के आईपीओ को

अपेक्षाकृत कम आवेदन मिले। 580

करोड रुपये वाले इस आईपीओ

को सिर्फ 2.7 गुना आवेदन मिले।

इस इश्यू में 247 करोड़ रुपये के

नए शेयर और 333 करोड़ रुपये

की द्वितीयक बिक्री शामिल है।

इसका कीमत दायरा 303-305 रुपये प्रति शेयर है। इश्य के बाद

कंपनी का मल्यांकन 3,237 करोड

रुपये बैठता है।

इस बीच, सूर्योदय स्मॉल

ये बातें कही गई है।

हीरो फ्यूचर के ग्रीन बॉन्ड को 3 अरब डॉलर के आवेदन

नई दिल्ली, 19 मार्च

हीरो समह की अक्षय ऊर्जा इकाई हीरो पयचर एनर्जीज को विदेशी बाजारों में अपने पहले ग्रीन बॉन्ड के लिए 3 अरब डॉलर के ऑर्डर मिले हैं। अपनी सहायक इकाई क्लीन रीन्युएबल पावर (मॉरीशस) के जरिए कंपनी को 4.25 फीसदी की ब्याज दर पर बॉन्ड के ऑर्डर मिले, जिसकी परिपक्वता अवधि छह साल है। कंपनी ने कहा कि इस बॉन्ड को 8.5 गुना आवेदन मिले।

अक्षय ऊर्जा कंपनी ने मॉरीशस स्थित एसपीवी को अमेरिकी डॉलर वाले सीनियर नोटस जारी करने का काम सौंपा। कंपनी इस रकम का इस्तेमाल भारतीय रुपये में जारी होने वाले बाह्य वाणिज्यिक उधारी वाले बॉन्ड खरीदने

हीरो एनर्जीज के मुख्य वित्त अधिकारी बेन फ्रेजर ने कहा, कंपनी के पहले ग्रीन बॉन्ड में प्रमख वैश्विक निवेशकों की भागीदारी देखने को मिली। उन्होंने कहा, ये बॉन्ड शरुआती तौर पर 4.75 फीसदी पर पेश किए गए। वैश्विक स्तर पर मजबूत मांग के कारण दरें 50 फीसदी कम की गईं। कुल मिलाकर हमारे ऑर्डर बुक 3 अरब डॉलर से ज्यादा के रहे।

उन्होंने कहा कि कुल आवंदन का 58 फीसदी एशियाई निवेशकों के नाम रहा, 15 फीसदी यरोपीय, पश्चिम एशिया और अफ्रीकी निवेशकों को और 27 फीसदी अमेरिकी निवेशकों को आवंटित हए।

अमेरिकी डॉलर वाले ग्रीन बॉन्ड में कंपनी का प्रवेश साल 2016 में किसी भारतीय कंपनी की तरफ से पहला क्लाइमेट बॉन्ड जारी करने के बाद देखने को मिला।

हीरो फ्यूचर एनर्जीज के चेयरमैन व प्रबंध निदेशक राहुल मुंजाल ने कहा, इस साल भारत से बाहर अमेरिकी बॉन्ड बाजार में किसी लेनदेन में हमने सबसे ज्यादा आवेदन पाने का रिकॉर्ड बनाया है। यह वैश्विक निवेशकों का काफी उत्साहजनक कदम है, खास तौर से महामारी के बाद वाले चरण में।

हीरो फ्यूचर एनर्जीज भारत से बाहर अपनी अक्षय ऊर्जा परियोजना के वित्त पोषण के लिए करीब 25 करोड डॉलर की नई इक्विटी जारी करने की भी योजना बना रही है। कंपनी पुंजी जटाने के लिए अग्रणी वैश्विक निवेशकों से बातचीत कर रही है और उसका इरादा 1 अरब डॉलर वाली कंपनी बनने का है।

दिसंबर 2019 में कंपनी ने इस परियोजना के लिए एशियन इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक से 6.5 करोड़ डॉलर जुटाए थे।



GAIL (INDIA) LIMITED

(A Government of India Undertaking-A Maharatna Company)

Registered Office: 16. Bhikaiii Cama Place, R. K. Puram, New Delhi - 110066 CIN: L40200DL1984G0I018976

Contact Person: A. K. Jha, Company Secretary & Compliance Officer Tel.: 011-26170740 | Fax: 011-26170740 | E-mail: shareholders@gail.co.in | Website: www.gailonline.com

POST BUYBACK PUBLIC ANNOUNCEMENT FOR THE ATTENTION OF EQUITY SHAREHOLDERS / BENEFICIAL **OWNERS OF EQUITY SHARES OF GAIL (INDIA) LIMITED**

This public announcement (the "Post Buyback Public Announcement") is being made pursuant to the provisions of Regulation 24(vi) of the Securities and Exchange Board of India (Buy-Back of Securities) Regulations, 2018, as amended (the "Buyback Regulations"). This Post Buyback Public Announcement should be read in conjunction with the Public Announcement dated January 18, 2021, published on January 19, 2021(the "Public Announcement") and the Letter of Offer dated February 16, 2021 (the "Letter of Offer"). The terms used but not defined in this Post Buyback Public Announcement shall have the same meanings as assigned in the Public Announcement and the Letter of Offer.

1 THE RUYBACK

- GAIL (India) Limited (the "Company") had announced the Buyback of not exceeding 6,97,56,641 (Six Crore Ninety Seven Lakh Fifty Six Thousand Six Hundred Forty One) fully paid-up equity shares of face value of ₹ 10/- each ("Equity Shares") from all the existing shareholders / beneficial owners of Equity Shares as on the record date (i.e. Thursday, January 28, 2021), on a proportionate basis, through the "Tender Offer" process as prescribed under the Buyback Regulations at a price of ₹ 150/- (Rupees One Hundred Fifty Only) per Equity Share payable in cash for an aggregate consideration not exceeding ₹ 1,046.35 Crore (Rupees One Thousand Forty Six Crore Thirty Five Lakh Only) ("Buyback Offer Size") representing 2.50% & 2.26% of the aggregate of the fully paid-up equity share capital and free reserves as per the audited standalone and consolidated financial statements of the Company for the financial year ended March 31, 2020, respectively, and is within the statutory limits of 10% (Ten Percent) of the aggregate of the fully paid-up equity share capital and free reserves under the Board of Directors approval route as per the provisions of the Companies Act 2013 (hereinafter referred to as the "Buyback"). The maximum number of Equity Shares proposed to be bought back represents 1.55% of the total number of Equity Shares in the issued, subscribed and paid-up equity share capital of the Company.
- The Company has adopted Tender Offer route for the purpose of Buyback. The Buyback was implemented using the "Mechanism for acquisition of shares through Stock Exchange" as provided under Buyback Regulations and circular CIR/CFD/POLICYCELL/1/2015 dated April 13, 2015 and circular no. CFD/DCR2/CIR/P/2016/131 dated December 09, 2016 issued by Securities and Exchange Board of India ("SEBI Circulars")
- The Buyback Offer opened on Thursday, February 25, 2021 and closed on Wednesday, March 10, 2021
- DETAILS OF BUYBACK
- The total number of Equity Shares bought back under the Buyback Offer are 6,97,56,641 (Six Crore Ninety Seven Lakh Fifty Six Thousand Six Hundred Forty One) Equity Shares at a price of ₹ 150 /- (Rupees One Hundred Fifty Only)
- 2.2 The total amount utilized in the Buyback of Equity Shares is ₹ 1046,34,96,150/- (Rupees One Thousand Forty Six Crore Thirty Four Lakh Ninety Six Thousand One Hundred and Fifty Only) excluding any expenses incurred or to be incurred for the Buyback viz. filing fees, stock exchange fees, advisory fees, public announcement publication expenses, brokerage, applicable taxes such as buyback taxes, securities transaction tax, goods and services tax, stamp duty, etc. The Registrar to the Buyback Offer i.e. MCS Share Transfer Agent Limited (the "Registrar to the Buyback Offer") considered 7,330 valid bids for 10,35,33,416
- (Ten Core Thirty Five Lakh Thirty Three Thousand Four Hundred and Sixteen) Equity Shares in response to the Buyback, resulting in the subscription of approximately 1.48 times the maximum number of shares proposed to be bought back The details of valid bids considered by the Registrar tothe Buyback Offer are as follows:

raiticulais	NO. OI SHALES LESELVEU	INO. OI VAIIU DIUS	INU. UI SHAFES VAILULY	NU. UI SIIAIES	/o response
	in Buyback		tendered	Accepted	
Reserved category for Small Shareholders	1,04,63,497	6,917	41,18,418	41,18,418	39.36
General category of other shareholders	5,92,93,144	413	9,94,14,998	6,56,38,223	167.67
Total	6,97,56,641	7,330	10,35,33,416	6,97,56,641	148.42

- All valid bids have been considered for the purpose of Acceptance in accordance with the Buyback Regulations and the Letter of Offer. The communication of acceptance / rejection has been dispatched by the Registrar to respective Eligible Shareholders on Friday March 19, 2021. The settlement of all valid bids was completed by the NSE Clearing Limited ("Clearing Corporation") / National Stock Exchange of India Limited on Friday.
- March 19, 2021, Clearing Corporation has made direct funds payout to Eligible Shareholders whose shares have been accepted under the Buyback, It shareholders' bank account details were not available or if the funds transfer instruction were rejected by Reserve Bank of India/the concerned bank, due to any reason, then such funds were transferred to the concerned Shareholder Brokers / custodians for onward transfer to such Eligible shareholders. 2.6 Equity Shares accepted under the Buyback have been transferred to the Company's demat escrow account on Friday, March 19, 2021 and valid physical
- shares tendered in the Buyback were accepted. The unaccepted Equity Shares have been returned to respective Eligible Shareholders / custodians by the Clearing Corporation / National Stock Exchange of India Limited on Friday, March 19, 2021. ment of 6.07.56.641 (Six Crore Ninety Seven Lakh Fifty Six The
- comprise of 6.97.56.523 (Six Crore Ninety Seven Lakh Fifty Six Thousand Five Hundred Twenty Three) in dematerialised form and 118 (One Hundred and Eighteen) in physical form is currently under process and shall be completed by Friday, March 26, 2021
- 3. CAPITAL STRUCTURE AND SHAREHOLDING PATTERN
- 3.1 The capital structure of the Company, pre and post Buyback Offer is as under:

(Equity Shares have a face value of ₹ 10/- each)

Particulars	Pre Buy	yback	Post Buyback#		
	No. of Equity Shares	Amount in lakh (₹)	No. of Equity Shares	Amount in lakh (₹)	
Authorized share capital	500,00,00,000	5,00,000.00	500,00,00,000	5,00,000.00	
Issued, subscribed and paid up share capital	451,01,41,866	4,51,014.19	444,03,85,225	4,44,038.52	
#O. L'	*	•	•	•	

*Subject to extinguishment of 6,97,56,641 Equity Shares 3.2. The details of the Shareholders / beneficial owners from whom Equity Shares exceeding 1% of the total Equity Sharesbought back have been accepted under

the Buyback Offer are as under

ı	Si No	Name of the Flighble Shareholder	No. of Equity Shares accepted under the Buy Back	Equity Shares accepted as a % of the total Equity Shares bought back	Equity Shares accepted as a % of the total post Buy Back Equity Share capital of the Company#
I	1	THE PRESIDENT OF INDIA	4,98,59,905	71.48	1.12
ı	2	FIDELITY PURITAN TRUST FIDELITY SERIES INTRINSIC O	73,15,352	10.49	0.16
I	3	COPTHALL MAURITIUS INVESTMENT LIMITED NON ODI AC	12,65,198	1.81	0.03
ı	4	HDFC BALANCED ADVANTAGE FUND	9,07,010	1.30	0.02
ı	5	HDFC TRUSTEE COMPANY LIMITED HDFC EQUITY FUND	7,09,956	1.02	0.02
ш	#0	1:			

#Subject to extinguishment of 6.97.56.641 Equity Shares

3.3 The shareholding pattern of the Company pre-Buyback (as on Record Date i.e. January 28, 2021) and post Buyback is as under:

	Pre Buy-back		Post Buy Back#	
Particulars	No. of Equity Shares	% of the existing Equity Share Capital	No. of Equity Shares	% of the post Buyback Equity Share Capital
Promoter*	233,44,49,987	51.76	228,45,90,082	51.45
Foreign Investors (including Non Resident Indians / FIIs / Foreign Mutual Funds / Foreign Nationals)	74,43,01,237	16.50	215,57,95,143	48.55
Financial Institutions / Banks and Mutual Funds promoted by Banks / Institutions	86,80,77,090	19.25		
Other (public, public bodies corporate etc.)	56,33,13,552	12.49		
Total	451,01,41,866	100.00	444,03,85,225	100.00

*Subject to extinguishment of 6,97,56,641 Equity Shares

*Out of total shareholding of The President of India, 2,122 shares related to "Offer for Sale- 2004" and Bonus shares thereon are pending for credit due to nonavailability of shareholders correct details. 4. MANAGER TO THE BUYBACK OFFER

IDBI Capital Markets & Securities Limited

6th floor, IDBI Tower, WTC Complex, Cuffe Parade, Mumbai - 400 005 Tel No.: +91 22 2217 1700 | Fax No.: +9122 2215 1787

Date: March 19, 2021

Contact Person: Sumit Singh Email: gail.buyback2021@idbicapital.com | Website: www.idbicapital.com SEBI Registration Number: INM000010866 | Validity Period: Permanent

Corporate Identity Number: U65990MH1993G0I075578 DIRECTORS' RESPONSIBILITY

As per Regulation 24(i)(a) of the Buyback Regulations, the Board of Directors of the Company accept the responsibility for the information contained in this Post Buyback Public Announcement and confirms that this Post Buyback Public Announcement contains true, factual and material information and does not contain any misleading information. This Post Buyback Public Announcement is issued under the authority of the Board of Directors by the Buyback Committee through Resolution passed by the Buyback Committee meeting held on March 19, 2021

For and on behalf of the Board of Directors of GAIL (India) Limited

MANOJ JAIN Chairman and Managing Director & Director (Projects) (DIN:07556033)

A.K. TIWARI Director (Finance) & CFO (DIN: 07654612)

A. K. JHA Company Secretary & Compliance Officer (M. Number: ACS18644)

Place: Delhi

एनएसई को-लोकेशन मामलाः ईडी जांच अगले महीने पूरी होने के आसार

श्रीमी चौधरी मुंबई, 19 मार्च

सरकार द्वारा हाल में ईडी से विस्तृत रिपोर्ट मांगे जाने के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नैशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) को-लोकेशन (को-लो) मामले में अपनी जांच तेज कर दी है। यह रिपोर्ट अगले एक महीने के अंदर सौंपे जाने की संभावना है।

यह बदलाव ऐसे समय में सामने आया है जब वित्त मंत्रालय एक्सचेंज की ताजा ट्रेडिंग खामियों पर नजर रख रहा है। इन खामियों से कई बाजार कारोबारियों का हित प्रभावित हुआ था। ईडी को को-लो मामले से कई अन्य समस्याएं भी जड़ी होने की आशंका है।

हाल में को-लोकेशन मामले में कई घटनाक्रम देखने को मिले हैं। एक अधिकारी ने कहा कि इस संबंध में जांच शुरुआती चरण में है और इसके एक महीने में पूरी होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि यह जांचें सिर्फ को-लोकेशन मामले तक सीमित नहीं हैं बल्कि विभिन्न पहलू भी इससे जुड़े हुए हैं क्योंकि संदेह है कि रकम अवैध तरीके से कमाई गई और देश से बाहर भेजी गई थी।

उनक अनुसार, कई प्रमाणों में एक्सचेंज के पिछले प्रबंधन एवं ब्रोकरों के रिकॉर्ड भी शामिल हैं। उनका कहना है कि कुछ और जानकारी जल्द ही सामने लाई जाएगी। सूत्रों का कहना है कि ईडी ने बाजार नियामक सेबी से इस संबंध में कुछ जानकारी तथा आयकर विभाग से रिपोर्ट मांगी है। एक कर अधिकारी ने कहा,

मामले पर एक नजर

■ यह मामला ईडी द्वारा अप्रैल तक पूरा किए जाने की संभावना है

■ प्रवर्तन निदेशालय सरकार को अपने निष्कर्ष

■ संदेह है कि कुछ इकाइयों द्वारा पैसा अवैध तरीके से देश से बाहर भेजा गया

■ माना जा रहा है कि अब तक सामने आए निष्कर्ष गंभीर और महत्वपूर्ण हैं

'हम इस मामले में एजेंसी को अंतरिम रिपोर्ट पहले ही साझा कर चुके हैं।' ईडी ने जनवरी 2019 में अपनी प्रवर्तन जांच रिपोर्ट सौंपी थी, जिसके बाद सीबीआई ने 30 मई 2018 को एफआईआई दर्ज की थी।ईडी ने ओपीजी सिक्योरिटीज के प्रवर्तक संजय गुप्ता, उनके साले अमन ककराडी, अजय शाह के खिलाफ जांच रिपोर्ट दर्ज की थी। अजय शाह ने सॉफ्टवेयर विकसित कर और मुहैया कराकर गुप्ता के परिचालन को आसान बनाया था। सेबी ने फरवरी में को-लो मामले में एनएसई के पूर्व प्रमुखों रवि नारायन और चित्रा रामकृष्णा के खिलाफ धोखाधड़ी और अनुचित कार्य प्रणालियों का आरोप लगाया था। ये आरोप सिक्योरिटीज कॉन्ट्रैक्टस स्टॉक एक्सचेंज ऐंड क्लियरिंग कॉरपोरेशंस (एसईसीसी) रेग्युलेशंस के उल्लंघन से संबंधित थे।

फैसले का एनसीएलटी प्रक्रिया पर असर नहीं

किशोर वियाणी की अगुआई वाली प्यूचर रिटेल ने शुक्रवार को कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय की एकल पीठ के आदेश का राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) में रिलायंस इंडस्टीज के साथ 24,713 करोड़ रुपये के सौदे को लेकर जारी सुनवाई पर कोई असर नहीं होगा। कंपनी ने यह भी कहा कि वह आदेश का उपयुक्त उपचार निकालने पर विचार कर रही है। फ्यूचर रिटेल ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि न्यायाधीश जे आर मिर्धा के निर्देशों के संबंध में कंपनी के प्रवर्तक सलाह के अनुसार उपयक्त कदम उठाएंगे। कंपनी ने संकेत दिया कि आदेश के खिलाफ अपील दायर की जा सकती है। कंपनी ने कहा, हमें सलाह दी गई है कि इस आदेश का एनसीएलटी में जारी कार्यवाही पर असर नहीं पडेगा। यह उच्चतम न्यायालय के 22 फरवरी, 2021 के आदेश के अनुरूप नहीं है। कंपनी ने कहा कि इस आदेश के प्रभावशील हिस्से अंश 2 फरवरी 2021 के अंतरिम आदेश में पहले से शामिल है। फ्यूचर रिटल की अपील पर उनके खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने रोक लगा रखी है। भाषा